

भारत सरकार  
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय  
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा  
तारांकित प्रश्न सं. 324

दिनांक 12 अगस्त, 2025

कृषि अनुसंधान अवसंरचना को बढ़ावा देना

\*324. श्री कुंदुरु रघुवीरः

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार का विचार धान के स्थान पर मूँगफली की खेती को बढ़ावा देने के लिए नलगोन्डा जिले में आईसीएआर-पीएलएएन योजना के अंतर्गत मूँगफली अनुसंधान केंद्र स्थापित करने का है;
- (ख) क्या सरकार का विचार पशुपालक समुदाय की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए जिले में पशु चिकित्सा कृषि विज्ञान केन्द्र (केवीके) स्थापित करने का है;
- (ग) क्या सरकार की छोटे किसानों में फसल विविधीकरण और सततता को बढ़ावा देने के लिए कृषि अनुसंधान केन्द्र, कम्पासागर में एकीकृत कृषि प्रणाली (आईएफएस) इकाई स्थापित करने की योजना है; और
- (घ) नलगोन्डा जैसे पिछड़े जिलों में कृषि अनुसंधान अवसंरचना को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री  
(श्री शिवराज सिंह चौहान)

(क) से (घ) : विवरण सभा के पटल पर प्रस्तुत है।

\*\*\*\*\*

**“कृषि अनुसंधान अवसंरचना को बढ़ावा देना” के संबंध में दिनांक 12 अगस्त, 2025 को  
उत्तर दिए जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या \*324 के भाग (क) से (घ) के संबंध  
में विवरण**

---

**(क) :** देश में मूँगफली पर मौलिक एवं रणनीतिक अनुसंधान करने के लिए जूनागढ़, गुजरात में पहले से ही एक राष्ट्रीय स्तर का अनुसंधान संस्थान नामतः भाकृअनुप-भारतीय मूँगफली अनुसंधान संस्थान (ICAR-IIGR) कार्यरत है। भाकृअनुप-भारतीय मूँगफली अनुसंधान संस्थान (ICAR-IIGR) के क्षेत्रीय अनुसंधान स्टेशन, अनंतपुर, आंध्र प्रदेश द्वारा तेलंगाना के नलगोन्डा एवं अन्य जिलों सहित दक्षिण भारत के राज्यों में मूँगफली खेती की अनुसंधान जरूरतों को पूरा किया जा रहा है। मूँगफली पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (AICRP) के अंतर्गत तेलंगाना राज्य में प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय (P.J.T.S.A.U.), हैदराबाद के क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र द्वारा परीक्षण किए जाते हैं ताकि क्षेत्र-वार मूँगफली उत्पादन को बढ़ाने के लिए जरूरी स्थान-विशेष उच्च उपजशील किस्मों एवं उत्पादन प्रौद्योगिकियों की निरंतर उपलब्धता को सुनिश्चित किया जा सके।

**(ख) :** वर्ष 2011 से नलगोन्डा जिले में एक कृषि विज्ञान केंद्र कार्य कर रहा है ताकि पशुधन एवं पशुपालन सहित कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में वैज्ञानिक सहयोग के साथ किसानों की सहायता की जा सके।

**(ग) :** एकीकृत कृषि प्रणाली हेतु राष्ट्रीय महत्व के दो संस्थान हैं जिनके नाम हैं : भाकृअनुप-भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मेरठ, उत्तर प्रदेश एवं भाकृअनुप-महात्मा गांधी समेकित कृषि अनुसंधान संस्थान (MGIFRI), मोतिहारी, बिहार। इन संस्थानों ने देश के विभिन्न भागों के लिए अनेक एकीकृत कृषि प्रणाली (IFS) मॉडल विकसित किए हैं। तेलंगाना राज्य में, एकीकृत कृषि प्रणाली पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (AICRP) के अंतर्गत राजेन्द्रनगर में एक मुख्य केंद्र, रुद्रुर (Rudrur) में एक उप-केंद्र तथा प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय (P.J.T.S.A.U.), हैदराबाद के अंतर्गत रंगरेड्डी में एक ऑन-फार्म अनुसंधान केंद्र चलाया जा रहा है। ये केंद्र नलगोन्डा जिला सहित तेलंगाना राज्य की एकीकृत कृषि प्रणाली (IFS) जरूरतों को पूरा करते हैं। तीन किसान भागीदारी आईएफएस मॉडल सहित आईएफएस मॉडल के छह: प्रोटोटाइप विकसित किए गए हैं और इनकी सिफारिश तेलंगाना के विभिन्न क्षेत्रों के लिए की गई है।

**(घ) :** कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (DARE) के अंतर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) सहित राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली (NARS) में कुल 113 अनुसंधान संस्थानों, 731 कृषि विज्ञान केंद्रों, भाकृअनुप के 4 मानद विश्वविद्यालयों, 66 राज्य कृषि विश्वविद्यालयों तथा 3 केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों का एक व्यापक नेटवर्क शामिल है। यह नेटवर्क देश में कृषि अनुसंधान, शिक्षा तथा विस्तार से संबंधित बुनियादी सुविधा को सहयोग प्रदान करता है। तेलंगाना

राज्य में, कुल 16 कृषि विज्ञान केंद्र तथा 07 भाकृअनुप अनुसंधान संस्थान हैं यथा (i) भाकृअनुप-केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान (ICAR-CRIDA), हैदराबाद; (ii) भाकृअनुप-राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी (ICAR-NAARM), हैदराबाद; (iii) भाकृअनुप-भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान (ICAR-IIMR), हैदराबाद; (iv) भाकृअनुप-भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान (ICAR-IIOR), हैदराबाद; (v) भाकृअनुप-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान (ICAR-IIIRR), हैदराबाद; (vi) भाकृअनुप-राष्ट्रीय मांस अनुसंधान संस्थान (ICAR-NRIM), हैदराबाद; (vii) भाकृअनुप-कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय (ICAR-DPR), हैदराबाद; तथा तीन राज्य कृषि विश्वविद्यालय हैं यथा (i) श्री कोण्डा लक्ष्मण तेलंगाना राज्य बागवानी विश्वविद्यालय, हैदराबाद; (ii) पी.वी. नरसिम्हा राव तेलंगाना पशु-चिकित्सा विश्वविद्यालय, हैदराबाद; (iii) प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद। ये संस्थान, नलगोन्डा जैसे पिछड़े जिलों सहित राज्य की कृषि अनुसंधान, शिक्षा तथा विस्तार क्षमताओं को मजबूती प्रदान करने में योगदान करते हैं।

\*\*\*\*\*